Ministry of Housing and Urban Affairs
Government of India

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

Azadi Ka Amrit Mahotsav

स्वच्छ वार्ता

स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0

न्यूजलेटर

INDIAN
SWACHHATA
LEAGUE

‘स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0’ का लक्ष्य कचरा-मुक्त शहर बनाना है, एक शहर जो पूरी तरह कचरे से मुक्त हो।

नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

सत्यमेव जयते

Ministry of Housing and Urban Affairs

Government of India

स्वच्छ वार्ता
न्यूजलेटर

विशेष प्रथम संस्करण | जनवरी 2023

चर्चा में...

टॉयलेट्स 2.0 अभियान

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय की ओर से केंद्रीय मंत्री माननीय श्री हरदीप सिंह पुरी ने विश्व शौचालय दिवस 2022 के अवसर पर बेंगलुरु, कर्नाटक से एक राष्ट्रीय समारोह के दौरान टॉयलेट्स 2.0 अभियान का शुभारंभ किया। अभियान का उद्देश्य आम नागरिकों और शहरी स्थानीय निकायों की संयुक्त भागीदारी से भारत के शहरों में सार्वजनिक और सामुदायिक शौचालयों की तस्वीर बदलकर उन्हें सुंदर, सुचारु और इस्तेमाल करने योग्य बनाए रखना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, स्वच्छ और सुरक्षित सार्वजनिक शौचालय या साफ-सुथरे सार्वजनिक स्थान लोगों की जीवनशैली की गुणवत्ताओं में सुधार लाएंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अभियान को सफल बनाने के लिए सभी हितधारक मिलकर काम करेंगे।

इस अभियान में शहरी स्थानीय निकायों के साथ बड़े पैमाने पर आम नागरिकों और गैर-सरकारी संगठनों समेत कई अन्य निजी क्षेत्रों के लोग सार्वजनिक और सामुदायिक शौचालयों के नवीनीकरण के लिए एकजुट हो रहे हैं। जम्मू-कश्मीर के दूर-सुदूर क्षेत्रों से लेकर आंध्र प्रदेश तक, स्वयंसेवी संगठनों और स्वयं सहायता समूहों के सहयोग से पूरे देश में आम नागरिक बड़ी संख्या में सार्वजनिक शौचालयों में और उनके बाहर सफाई समेत सौंदर्यीकरण के अभियान चला रहे हैं और सार्वजनिक और सामुदायिक शौचालयों पर अपनी प्रतिक्रियाएं साझा कर रहे हैं।

TOilets 2.0
A Swachh Bharat Mission Urban Initiative

इस अभियान का उद्देश्य सार्वजनिक शौचालयों को सुंदर, सुचारु और इस्तेमाल योग्य बनाना है

कैंपेन थीम

पीपल फॉर टॉयलेट्स	पार्टनर्स फॉर टॉयलेट्स	डिजाइन टॉयलेट्स	रेट योर टॉयलेट्स	माई थॉट्स आवर टॉयलेट्स
सार्वजनिक शौचालयों की सफाई और रख-रखाव	सामुदायिक और सार्वजनिक शौचालयों को गोद लेना	सार्वजनिक शौचालयों के लिए डिजाइन समाधान निकालना	शौचालयों पर उपयोगकर्ताओं की प्रतिक्रिया को बढ़ावा देना	सार्वजनिक शौचालयों पर जनता की राय लेना

जी20 पर पीएम के विचार

भारत ने जी20 की अध्यक्षता शुरू की, तब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा- भारत की जी20 अध्यक्षता 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' थीम से प्रेरित होकर एकता की सार्वभौमिक भावना को बढ़ावा देगी। भारत का जी20 एजेंडा समावेशी, महत्वाकांक्षी, कार्रवाई उन्मुख और निर्णायक होगा। हमारी जी20 प्राथमिकताओं को न केवल जी20 भागीदारों, बल्कि वैश्विक दक्षिण क्षेत्र में उन साथियों के परामर्श से आकार दिया जाएगा, जिनकी आवाज अक्सर अनसुनी कर दी जाती है।

केंद्रीय मंत्री के विचार

"भारत ओडीएफ के विचार से एक कदम आगे बढ़ने को तैयार है। स्वच्छ-सुरक्षित सार्वजनिक स्थल व शौचालय लोगों की जीवनशैली के अनुभव एवं गुणवत्ता में सुधार करेंगे, इसलिए आज मुझे टॉयलेट्स 2.0 अभियान शुरू करते हुए खुशी हो रही है।"

श्री हरदीप सिंह पुरी
केंद्रीय मंत्री

डिजिटल न्यूजलेटर के लिए इस क्यू आर कोड को स्कैन करें

> "बच्चे बन रहे हैं स्वच्छ भारत अभियान के सबसे बड़े दूत"
> **नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

स्वच्छता के दो रंग #हरा गीला सूखा नीला

अभियान का उद्देश्य

*स्कूली छात्रों को साथ जोड़कर दीवाली पर "हरा गीला सूखा नीला" अभियान के अंतर्गत स्रोत पर ही गीले-सूखे कचरे को अलग करने का संदेश "**स्वच्छता के उपहार**" स्वरूप घर-घर पहुंचाना।*

एक अभियान के रूप में जो काम शुरू हुआ, वह अब एक नियमित दिनचर्या में आने वाली गतिविधि बन चुका है। इसमें सभी क्षेत्रों से जुड़े नागरिक न केवल अपने घरों में, बल्कि सभी सार्वजनिक स्थानों पर भी कचरे को अलग करने का अभ्यास कर रहे हैं। देश भर में स्कूलों के लाखों छात्रों ने कचरा मुक्त शहर के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा गीले और सूखे कचरे को स्रोत पर अलग करने के लिए शुरू किए गए जागरूकता अभियान में भाग लिया। अभियान के आह्वान के रूप में "हरा-गीला, सूखा-नीला" (गीले कचरे के लिए हरा बिन और सूखे कचरे के लिए नीला बिन) के साथ "स्वच्छता के दो रंग" शीर्षक वाले अभियान ने स्रोत पर न्यूनतम दो-बिन का अलग-अलग इस्तेमाल करने पर जोर दिया। विभिन्न आयु वर्ग के छात्रों ने पेंटिंग, आर्ट और क्राफ्ट जैसी विशेष गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होंने हरे रंग के लेबल (गीले कचरे के लिए) और नीले रंग के लेबल (सूखे कचरे के लिए) बनाए, कचरे के इस्तेमाल से डिब्बे और खिलौनों का निर्माण किया, नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए और स्वच्छता के "उपहार का संदेश" अपने घर ले गए।

जहां असम के खोवाई के स्कूली छात्रों ने महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत के दृष्टिकोण पर आधारित एक नृत्य-नाट्य प्रस्तुत किया, वहीं पटना नगर निगम के स्कूलों ने "वेस्ट टू वंडर" थीम के तहत कचरे से मॉडल बनाए। जागरूकता फैलाने के लिए छोटा भीम जैसे बच्चों के पसंदीदा कार्टून कैरेक्टर इन मॉडलों का हिस्सा थे। एमसीडी के कुछ स्कूलों ने छात्रों को गीले और सूखे कचरे को अलग करने का महत्व समझाने के लिए पहेली समेत अन्य अनोखे खेल भी तैयार किए।

विशेष

1. 75 लाख बच्चे, 45000 स्कूल, 3500 से अधिक यूएलबी और 32 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों ने अभियान में लिया भाग
2. स्रोत पर ही गीले और सूखे कचरे को अलग करने का संदेश स्वच्छता के उपहार स्वरूप घर-घर तक पहुंचाया
3. डंपसाइटों में जाने वाले कचरे को कम करने के लिए एकजुट भागीदारी के माध्यम से जमीनी स्तर पर कार्रवाई

साझेदारी

केंद्रीय मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी और मेलिंडा फ्रेंच गेट्स ने 6 दिसंबर 2022 को प्रबंधित और सुरक्षित रूप से स्वच्छता की मुहिम को आगे बढ़ाने के लिए भारत द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर चर्चा की।

भारत की चक्रीय अर्थव्यवस्था में परिवर्तन के विषय पर चर्चा के लिए केंद्रीय मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी ने 1 दिसंबर 2022 को यूएनडीपी की अवर महासचिव श्रीमती ऊषा राव मोनारी समेत अन्य अधिकारियों से मुलाकात की।

23 नवंबर से 22 दिसंबर 2022 के दौरान "डिजिटल गवर्नेंस इन हेल्थ" विषय पर आयोजित हुए आईटीईसी प्रशिक्षण कार्यक्रम में आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय की संयुक्त सचिव श्रीमती रूपा मिश्रा एवं निदेशक श्री बिनय झा ने फिलीपींस, मालावी, तंजानिया, तजाकिस्तान और ईराक से आए प्रतिभागियों को संबोधित किया।

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय की संयुक्त सचिव श्रीमती रूपा मिश्रा ने भारत सरकार के नैशनल सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस द्वारा आयोजित विदेशी प्रशासन क्षमता निर्माण कार्यक्रम के दौरान बांग्लादेश और मालदीव के अधिकारियों के साथ शहरी स्वच्छता यात्रा पर अपना दृष्टिकोण साझा किया।

यूनिसेफ के रीजनल ऑफिस फॉर साउथ एशिया (ROSA) ने श्रीलंका में 22 से 25 नवंबर 2022 तक क्षेत्रीय स्वच्छता शिक्षण कार्यक्रम 'सैनलर्न 2022' का आयोजन किया।

NAMA फैसिलिटी के COP27 इवेंट में 'भारतीय जलवायु के अनुकूल स्थायी प्रयास' पर 14 नवंबर 2022 को मंत्रालय निदेशक श्री बिनय झा ने संबोधन दिया।

भारत और नीदरलैंड के बीच 19 जनवरी 2022 को एक वेबिनार का आयोजन किया गया, जिसमें भारतीय और डच शहरों के बीच ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विषय पर जानकारियां साझा की गईं।

तीन दिवसीय "वे फॉरवर्ड सर्कुलैरिटी" कॉन्फ्रेंस का आयोजन जीआईजेड द्वारा 28 नवंबर से 30 नवंबर 2022 को फ्यूचूरियम, बर्लिन में किया गया। आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के निदेशक श्री मुकेश बहादुर सिंह ने 'बेंडिंग द लीनियर इकॉनमी' विषय पर ध्यान केंद्रित किया।

क्षमता निर्माण की दिशा में पहल

आईआईपीए ने 6 दिसंबर 2022 को 'पीपल सेंट्रिक अर्बन गवर्नमेंट इन इंडिया' विषय पर चर्चा के लिए दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। इसमें आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव श्री मनोज जोशी, संयुक्त सचिव श्रीमती रूपा मिश्रा और अतिरिक्त सचिव एवं मिशन डायरेक्टर (अमृत) श्रीमती डी. थारा ने भारत में शहरी स्वच्छता पर अपने विचार साझा किए।

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 4 नवंबर 2022 को लखनऊ में स्वच्छ भारत मिशन पर आधारित एक रणनीतिक कार्यशाला का आयोजन हुआ, जिसमें मुख्यतः यूपी के शहरों के साथ स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन पर बातचीत हुई।

आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने 16 नवंबर से 18 नवंबर 2022 तक बेंगलुरु, कर्नाटक में वॉश इंस्टीट्यूट और लेगेसी वेस्ट डंपसाइट रिमेडिएशन के सहयोग से प्रयुक्त जल प्रबंधन पर क्षमता निर्माण कार्यशालाओं का आयोजन किया। इनमें राज्यों को उपयोग किए गए पानी और सूखे कचरे के एकीकृत प्रबंधन की सुविधाओं से लैस करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

स्वच्छता के लिए मैदान में उतरे शहर

एनडीएमसी ने आमजन में स्वच्छता के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के लिए सफाईमित्रों के साथ मिलकर सफाई अभियान का आयोजन किया।

नवी मुंबई में सार्वजनिक और सामुदायिक शौचालयों के अंदर और आसपास स्वच्छता संबंधी कई गतिविधियां आयोजित की गईं।

विशाखापत्तनम नगर निगम ने आम नागरिकों को स्रोत पर ही अपशिष्ट को अलग करने के विषय में प्रशिक्षित करने के लिए कई जगह जागरूकता अभियान चलाए।

पिंपरी-चिंचवाड़ में टॉयलेट्स 2.0 के अंतर्गत एक ‘हस्ताक्षर अभियान’ चलाया गया, जिसके जरिए सार्वजनिक और सामुदायिक शौचालयों के बारे में प्रतिक्रिया देने के लिए नागरिकों का ध्यान आकर्षित किया गया।

भोपाल नगर निगम ने क्षेत्र की प्रमुख सड़कों, खाली पड़े खुले प्लॉट्स और नालों की सफाई के लिए कई तरह के सफाई अभियान चलाए और स्थानीय निवासियों से सफाई व्यवस्था को बनाए रखने की सलाह दी।

अमृतसर में ‘इंडियन स्वच्छता लीग’ के दौरान कई तरह की रैलियों का आयोजन किया गया और विभिन्न स्थानों पर विशाल पौधरोपण अभियान चलाए गए।

स्वच्छता के लिए मैदान में उतरे शहर

भुवनेश्वर नगर निगम ने क्षेत्र की संकरी गलियों में आने वाली मुश्किलों का हल निकालने के लिए एक बेहद अनोखा तरीका अपनाया और 'सफाई बाइक्स' की नई व्यवस्था शुरू की, जिसमें कुछ महिलाओं द्वारा संचालित भी हैं।

चंडीगढ़ में 'कहीं कचरा ना छूटे' के संदेश के साथ तीन दिवसीय जीरो वेस्ट थीम के तहत कई शादी-समारोह और अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।

सिंगल-यूज प्लास्टिक पर अंकुश लगाने के लिए इंदौर यूएलबी ने अपने 'प्लास्टिक हाइस्ट कैंपेन' को आगे बढ़ाते हुए विभिन्न बाजारों से सिंगल-यूज प्लास्टिक को जब्त किया और बदले में जूट के बैग बांटे।

एक नजर नॉर्थ ईस्ट राज्यों पर

स्वच्छता की वास्तविक स्थिति, नगरपालिका ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और कचरा मुक्त शहरों के विश्लेषण के लिए नॉर्थ ईस्ट राज्यों के साथ क्षमता निर्माण कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

एक ओर त्रिपुरा के स्कूली छात्रों ने 'हमें गर्व है' के नारे के साथ स्रोत पर ही कचरे को अलग करने का संदेश लोगों तक पहुंचाया, तो दूसरी ओर कोहिमा बटालियन ने भी कोहिमा में स्वच्छता अभियान चलाया।

गंगा टाउन

उत्तर प्रदेश के मथुरा स्थित बंगाली घाट पर निगम अधिकारियों की उपस्थिति में विशेष सफाई अभियान चलाया गया।

आईटीबीपी की 36वीं बटालियन के सैनिकों द्वारा उत्तराखंड के लोहाघाट पर कई सफाई अभियान चलाए गए।

फतेहपुर सीकरी नगर निगम ने कई विशेष सफाई अभियानों के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।

मन की बात 2022

स्वच्छता पर पीएम के विचार

"हमें स्वच्छ भारत मिशन को नहीं भूलना चाहिए और सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ अपने अभियान को और तेज करना चाहिए।"

मन की बात
जनवरी 2022

"स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत होने के बाद देश भर में महिलाओं को खुले में शौच की समस्या से आजादी मिली है।"

मन की बात
फरवरी 2022

"जिस तरह से तीर्थ यात्राओं का बहुत महत्व है, ठीक उसी तरह 'तीर्थ सेवा' भी महत्वपूर्ण है। हम अपने धार्मिक स्थलों को सफाई अभियानों के माध्यम से प्लास्टिक-मुक्त बना सकते हैं।"

मन की बात
मई 2022

"मुझे खुशी है कि 'स्वच्छ भारत मिशन' आज हर भारतीय के मन में रच-बस चुका है। साल 2014 में इस जन आंदोलन के शुरू होने के साथ ही इसे नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए लोगों ने कई अनूठे प्रयास किए हैं।"

मन की बात
दिसंबर 2022

स्वच्छता खबरों में...

Outlook

Union Minister Hardeep Puri Launches Toilets 2.0 Campaign

The campaign aims to change the public and community toilets in urban India through collective action involving citizens and urban local bodies (ULBs).

हरदीप पुरी ने स्वच्छता स्टार्टअप चुनौती के चुने हु स्टार्टअप्स के साथ बातचीत की

kamalsandesh | Published on: 19 Sep, 2022

THE HINDU

Indore bags cleanest city award for sixth year, M.P ranks first among States

President Droupadi Murmu presents awards as part of Azadi@75 Swachh Survekshan 2022

October 01, 2022 05:39 pm | Updated October 10, 2022 04:40 pm IST - New Delhi:

THE HINDU BUREAU

FINANCIAL EXPRESS

Swachh Toycathon: Union govt launches unique competition to make toys from waste

The competition is open to individuals and groups to bring forth innovation in toy designs using dry waste.

Written by Anurag Kumar

September 26, 2022 2:48:32 pm

On Monday, the Ministry of Housing And Urban Affairs (MoHUA) launched the

Latest News
Karjat, Vizag, Udaipur, and Gir: Hotel, resort rooms sold out for Christmas-New Year parties after two years
Crypto's ties to sports raise ethical questions
Studying in Germany is Practical and Affordable for Indian Students: Here's Why
Changi Airport reconnects with South Asian cities to pre-pandemic level, adds

आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय 'स्वच्छ अमृत महोत्सव' का आयोजन

स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 का लक्ष्य एक कचरा मुक्त शहर है, एक ऐसा शहर- जो पूरी तरह से कचरा मुक्त हो - नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

Youth leads citizen participation in the national campaign for segregation of waste at source

Sambhya Bureau

Published: Oct 20, 2022, 4:47 pm IST

स्वच्छता खबरों में...

THE NEW INDIAN EXPRESS

NATION | WORLD | STATES | CITIES | BUSINESS | SPORT | GOOD NEWS | MOVIES | PHOTOS | VIDEO

Home › Nation

Indore adjudged as India's cleanest city for 6th time in a row; MP best-performing state

The 10 top-ranked cities with a population of more than one lakh are: Indore, Surat, Navi Mumbai, GVM Visakhapatnam, Vijaywada, Bhopal, Tirupati, Mysore, New Delhi and Ambikapu

Published: 01st October 2022 09:31 PM | Last Updated: 01st October 2022 09:31 PM

President Droupadi Murmu presents the Swachh Survekshan Awards 2022 at a function held in New Delhi. (Photo | PTI)

ਸਾਰੇ ਸ਼ਹਿਰੀ ਖੇਤਰਾਂ ਵਿੱਚ ਜਨਤਕ ਅਤੇ ਭਾਈਚਾਰਕ ਪਖਾਨਿਆਂ ਦੀ ਥਾਂ ਲੈਣ ਲਈ ਵੱਡੀ ਮੁਹਿੰਮ ਸ਼ੁਰੂ

ਜੁਝਾਰ ਟਾਈਮਜ਼

ਲੁਧਿਆਣਾ, ੨੧ ਨਵੰਬਰ (ਪ੍ਰਿੰਸ): ਹਾਊਸਿੰਗ ਅਤੇ ਸ਼ਹਿਰੀ ਮਾਮਲਿਆਂ ਦੇ ਮੰਤਰਾਲੇ (ਐਮਓਐਚਯੂਏ) ਦੀ ਤਰਫੋਂ, ਕੇਂਦਰੀ ਮੰਤਰੀ ਹਰਦੀਪ ਸਿੰਘ ਪੁਰੀ ਨੇ ਵਿਸ਼ਵ ਟਾਇਲਟ ਦਿਵਸ 'ਤੇ ਇੱਕ ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਸਮਾਰੋਹ ਦੌਰਾਨ ਟਾਇਲਟ 2.0 ਮੁਹਿੰਮ ਦੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ ਕੀਤੀ। ਇਸ ਮੁਹਿੰਮ ਦਾ ਉਦੇਸ਼ ਸਥਾਨਕ ਸ਼ਹਿਰੀ ਸੰਸਥਾਵਾਂ ਅਤੇ ਆਮ ਜਨਤਾ ਦੀ ਭਾਗੀਦਾਰੀ ਨਾਲ ਭਾਰਤ ਦੇ ਸ਼ਹਿਰੀ ਖੇਤਰਾਂ ਵਿੱਚ ਜਨਤਕ ਅਤੇ ਭਾਈਚਾਰਕ ਪਖਾਨਿਆਂ ਦੀ ਤਸਵੀਰ ਨੂੰ ਬਦਲਣਾ ਹੈ। ਟਾਇਲਟ 2.0 ਮੁਹਿੰਮ ਦੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ ਕਰਦਿਆਂ ਕੇਂਦਰੀ ਮੰਤਰੀ ਨੇ ਕਿਹਾ, "ਭਾਰਤ ਖੁੱਲ੍ਹੇ ਵਿੱਚ ਸ਼ੌਚ ਤੋਂ ਮੁਕਤ ਹੋਣ ਦੀਆਂ ਕਹਾਣੀਆਂ ਤੋਂ ਅੱਗੇ ਵਧਣ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹੈ। ਸਾਫ਼ ਅਤੇ ਸੁਰੱਖਿਅਤ ਜਨਤਕ ਟੌਆਇਲਟਾਂ ਅਤੇ ਜਨਤਕ ਸਥਾਨ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਜੀਵਨਸ਼ੈਲੀ ਤਜਰਬਿਆਂ ਅਤੇ ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਿੱਚ ਸੁਧਾਰ ਕਰਨਗੇ ਅਤੇ ਇਸੇ ਕਰਕੇ ਮੈਂ ਟੌਆਇਲਟ 2.0 ਮੁਹਿੰਮ ਦੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ ਕਰਕੇ ਖੁਸ਼ ਹਾਂ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਭਰੋਸਾ ਪ੍ਰਗਟਾਇਆ ਕਿ ਸਾਰੇ ਹਿੱਸੇਦਾਰ ਇਸ ਮੁਹਿੰਮ ਨੂੰ ਸਫਲ ਬਣਾਉਣ

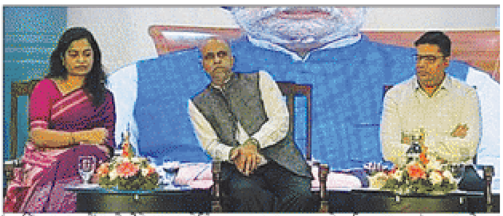

'ਗਾਊਂਡਵਾਟਰ ਐਂਡ ਸੈਨੀਟੇਸ਼ਨ - ਮੇਕਿੰਗ ਦ ਇਨਵਿਜ਼ੀਬਲ ਵਿਜ਼ੀਬਲ' ਦੇ ਨਾਲ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮੇਲ ਖਾਂਦੇ ਹਨ। ਇਹ ਉਮੀਦ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਕਿ ਮਿਸ਼ਨ ਦੇ ਅੰਤ ਤੱਕ ਸਾਡੇ 100% ਸ਼ਹਿਰ ++ ਪ੍ਰਮਾਣਿਤ ਹੋ ਜਾਣਗੇ ਅਤੇ ਘੱਟੋ ਘੱਟ 50% ਵਾਟਰ ਪਲੱਸ ਦਾ ਦਰਜਾ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰ ਲੈਣਗੇ। ਮੰਤਰਾਲੇ ਦੀ ਸੰਯੁਕਤ ਸਕੱਤਰ, ਸ੍ਰੀਮਤੀ ਰੂਪਾ ਮਿਸ਼ਰਾ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਹ ਮੁਹਿੰਮ ਰਾਜਾਂ, ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਅਤੇ ਆਮ ਜਨਤਾ ਨੂੰ ਸਾਡੀ ਅਮੀਰ ਸਵੱਛਤਾ ਵਿਰਾਸਤ ਨੂੰ ਅੱਗੇ ਵਧਾਉਣ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਕੱਠੇ ਕਰਨ ਅਤੇ ਭਾਰਤ ਵਿੱਚ ਟਾਇਲਟ 2.0 ਦੀ ਯਾਤਰਾ ਦੀ ਸਕ੍ਰਿਪਟ ਲਿਖਣ ਲਈ ਊਰਜਾ ਯਾਤਰਾ ਬਾਰੇ ਵਿਚਾਰ-ਵਟਾਂਦਰਾ ਕੀਤਾ। ਪਖਾਨਿਆਂ ਲਈ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਵਿਚਕਾਰ ਮੁਕਾਬਲਾ ਹੋਵੇਗਾ, ਜਿਸ ਵਿੱਚ ਜਨਤਕ ਅਤੇ ਭਾਈਚਾਰਕ ਪਖਾਨਿਆਂ ਦੀ ਸਫਾਈ ਅਤੇ ਸਾਂਭ-ਸੰਭਾਲ ਦੇ ਮਾਮਲੇ ਵਿੱਚ ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਧ ਪ੍ਰਦਰਸ਼ਨ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਸ਼ਹਿਰ ਹੋਣਗੇ । ਆਵਾਸ ਅਤੇ ਸ਼ਹਿਰੀ ਮਾਮਲਿਆਂ ਦਾ ਮੰਤਰਾਲਾ ਰਾਜਾਂ ਦੇ ਸਹਿਯੋਗ ਨਾਲ ਇਸ ਨੂੰ ਮਾਨਤਾ ਦੇਵੇਗਾ। ਟੌਆਇਲਟਾਂ ਵਾਸਤੇ ਭਾਈਵਾਲਾਂ ( ) ਦੇ ਵਿਸ਼ੇ ਵਿੱਚ ਉਹਨਾਂ ਸੰਭਾਵੀ ਸੰਸਥਾਵਾਂ ਨਾਲ ਭਾਈਵਾਲੀ ਕਰਨਾ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਵੇਗਾ ਜੋ ਜਨਤਕ ਅਤੇ ਭਾਈਚਾਰਕ ਪਖਾਨਿਆਂ ਨੂੰ

पुरस्कार : इंदौर लगातार छठी बार देश का सबसे स्वच्छ शहर घोषित

नई दिल्ली, नोएडा शीर्ष पांच साफ शहरों में शामिल

नई दिल्ली, विशेष संवाददाता। केंद्र सरकार की ओर से जारी स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 में नई दिल्ली और नोएडा शीर्ष पांच शहरों में शामिल हैं। 10 लाख तक की आबादी वाले शहरों की श्रेणी में इन दोनों शहरों को यह पुरस्कार दिया गया है। वहीं, दस लाख से ऊपर की आबादी में इंदौर शहर लगातार छठी बार अव्वल रहा। दूसरे स्थान पर सूरत और तीसरे स्थान पर नवी मुंबई रहा है।

दस लाख तक की जनसंख्या वाले शहरों की श्रेणी में तिरुपति पहले स्थान पर है। वहीं, देहरादून को 69वें स्थान मिला है।

गाजियाबाद को 12वां स्थान : सबसे स्वच्छ शहरों में गाजियाबाद को 12वां, मेरठ को 15वां, प्रयागराज को 16वां, लखनऊ को 17वां और वाराणसी को 21 वां स्थान मिला है। आगरा 23वें स्थान पर है। पटना को 38वां और धनबाद को 35वां स्थान मिला है। हरिद्वार को सबसे स्वच्छ गंगा शहर घोषित किया गया है, जबकि कैंटोनमेंट शहरों में देवलाली पहले

नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को स्वच्छ सर्वेक्षण-2022 समारोह के दौरान हरिद्वार को सर्वश्रेष्ठ गंगा शहर का पुरस्कार दिया। ● एएनआई

गंगा किनारे के हरिद्वार-बिजनौर अव्वल

- एक लाख से अधिक आबादी की श्रेणी में हरिद्वार गंगा के किनारे बसा सबसे स्वच्छ शहर रहा। इसके बाद वाराणसी और ऋषिकेश रहे।
- एक लाख से कम आबादी वाले गंगा के किनारे बसे शहरों में बिजनौर पहले स्थान पर रहा। इसके बाद कन्नौज और गढ़मुक्तेश्वर का स्थान रहा।

10 लाख से अधिक आबादी में फरीदाबाद को 36वां स्थान

स्वच्छता सर्वेक्षण में 10 लाख से

एनडीएमसी 'सबसे छोटा स्वच्छ निकाय'

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद

एनसीआर का हाल

01 नंबर पर था नई दिल्ली पिछले वर्ष छोटे शहर में

04 स्थान पर था नोएडा

- गुरुग्राम वर्ष 2021 में 24वें स्थान पर था, पांच पायदान चढ़ा

पंचगनी ने बाजी मारी

एक लाख से कम आबादी वाले शहरों में महाराष्ट्र का पंचगनी पहले, छत्तीसगढ़ का पाटन दूसरे और महाराष्ट्र का कराड़ तीसरे स्थान पर रहा है।

गुरुग्राम को 19 वां स्थान

एक से 10 लाख तक की आबादी वाले शहरों में एनसीआर का गुरुग्राम शहर 19वें स्थान पर रहा है, जबकि झारखंड का जमशेदपुर शहर 18वें और देवघर 99वें स्थान पर है। वहीं, उत्तर प्रदेश का अलीगढ़ 29 वे, सहारनपुर 40 वें, मथुरा वृंदावन 49वें और अयोध्या 120 वें स्थान पर है। देहरादून को 69 वां ऋषिकेश को 220 और हरिद्वार को 330 वां स्थान मिला है।

70 हजार मकानों से एकत्र होगा कचरा

नगर निगम ने एक-एक मुहल्ले को स्वच्छ रखने के लिए नई कार्ययोजना बनाई

जागरण संवाददाता, मथुरा : महानगर के एक-एक मुहल्ले को स्वच्छ रखने के लिए नगर निगम ने नई कार्ययोजना बनाई है। इसी माह के अंत तक प्रत्येक वार्ड से डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन करने का लक्ष्य तय किया है। हर वार्ड में एक हजार मकानों का कूड़ा लेने के लिए नगर निगम की गाड़ी जाएगी। जो लोग कचरा नहीं दे रहे और न ही उसका निस्तारण कर रहे है। उनके विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी।

नगर निगम में 70 वार्ड है। डोर-टू-डोर कचरे का कलेक्शन अभी संपूर्ण वार्डों से नहीं कर पा रहा है। पूर्व में मथुरा और वृंदावन नगर पालिका के वार्डों में ही यह सेवा नगर निगम कर रहा है। नगर निगम की सीमा विस्तार में शामिल हुए क्षेत्र में साफ-सफाई का कार्य गति नहीं

जलकल कम्पाउंड मे खड़ी नगर निगम की डोर टू डोर कूड़ा उठाने वाली गाड़ी ● जागरण

> हर वार्ड से एक हजार मकानों से कचरा कलेक्शन किया जाएगा। इसी माह के अंत तक यह कार्य आरंभ कर दिया जाएगा। जिनके यहां से 50 किलो से अधिक कचरा निकल रहा है। वह कचरा नहीं दे रहे है। न उसका सही तरीके से निस्तारण कर रहे है। उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

जाएगा। इसके लिए निगम 120 गाडियां लगाएगा।

बड़े प्रतिष्ठान नहीं दे रहे कचरा: कई ऐसे प्रतिष्ठान है, जो 50 किलो से अधिक कचरा रोजाना निकालते है। मगर, वह नगर निगम की कचरा कलेक्शन को जाने वाली गाड़ी को नहीं दे रहे है। न ही वह उसका सही तरीके से निस्तारण कर रहे है। इसके

अधिक कचरे वाले प्रतिष्ठान

126 होटल गेस्ट हाउस
97 से हुआ अनुबंध
29 से नहीं हुआ अनुबंध
118 औद्योगिक इकाई
79 से हुआ अनुबंध
39 से नहीं हुआ अनुबंध

कम कचरे वाले प्रतिष्ठान

186 होटल, गेस्ट हाउस
50 से हुआ अनुबंध
136 से नहीं हुआ अनुबंध
51 पैथलाजी सेंटर
9 से हुआ अनुबंध

अभियान | शासन के निर्देश पर शहर में दिन-रात चली थी टीम, मिट्टी से पटान करने के बाद तैयार किया गया पार्क

75 घंटे सफाई का परिणाम... कूड़े के ढेर पर तैयार हुआ पार्क

अमृत विचार, पीलीभीत

नगर पालिका के 75 घंटे सफाई अभियान के अब परिणाम नजर आने लगे हैं। अभियान के तहत गांधी स्टेडियम रोड पर खाली पड़ी सरकारी जमीन पर जहां कूड़े के ढेर लगते थे वहां अब खुशबू महक रही है। साफ सफाई कराने के बाद नगर पालिका की ओर से वहां पार्क

पहले इस तरह से लगा था कूड़े का ढेर। ● अमृत विचार

सफाई के बाद नगरपालिका की ओर से कुछ तरह से तैयार किया गया पार्क।

स्वच्छता खबरों में...

India needs a united front to fix its garbage problem

Akshay Rout

As the much-celebrated Swachh Bharat Mission (SBM) completes eight years of unprecedented focus on safe and inclusive sanitation, the path has changed significantly from where it started on October 2, 2014. India was then the land of 600 million open defecators, a distinct hurdle to the realisation of the Sustainable Development Goals set for 2030. All villages and towns have since declared themselves Open Defecation Free (ODF) though sporadic surveys point to issues of sustainability in some parts. The achievements are the envy of any country. Several new missions have taken off with varying degrees of success, but none match the SBM in its people component.

India's new fight is against garbage. The declared goal is to arrive at Garbage Free Cities (GFC) by 2026. The job is in the urban space and way more strenuous than activating 120 million toilets, mostly in India's 650,000 villages. Cities and towns have to process about 150,000 tonnes of solid waste each day. An estimated 2,200 legacy dumpsites, strewn like ulcers on the country's urban landscape, hold 160 million tonnes of waste and are waiting to be scientifically dismantled. Urban expansion has caused an exponential increase in plastic consumption, resulting in 9.5 million tonnes of plastic waste into the circular economy for extracting value — from compost and methanol to construction material and more. Industry interest is growing, matched by India's sanitation revolution, but needs to grow further and get more formalised. Recently, about 250 startups dived into urban sanitation as a part of national challenge and several are eager to scale-up. A move is afoot to build waste recycling aspects into toy production and consumption.

Freedom from garbage will remain a distant dream unless waste is segregated at source, an issue to which waste generators have closed their eyes for far too long, starting with urban households. While waste processing rose from 18% to 73% in eight years, the gap will be difficult to cover unless segregation becomes a way of life. The choice is between getting the waste from our premises recycled into the economy or letting it return to our life as toxins. Some domestic waste such as diapers, sanitary pads and of course medical and e-waste are more toxic than ordinary dry and wet waste, the separation of which has found some acceptability in residential conglomerations. For source segregation to percolate down to each citizen, high-pitch campaigns, associating influencers and demonstrations are needed.

लोकमत समाचार

स्वच्छता — देशभर में हो रहा है 'स्वच्छ अमृत महोत्सव' का आयोजन

शहरों को मिलेगी कचरे से मुक्ति !

विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार
vivekshukladelhi@gmail.com

आप दिल्ली-मुंबई या किसी अन्य बड़े शहर-महानगर में चले जाइए. आपको वहां पर दो तरह के हालात दिखाई देंगे. इनके कुछ भागों में साफ-सफाई मिलेगी. ये एक तरह से स्वच्छता के टापू हैं. जबकि कुछ भागों में गंदगी और कूड़े के पहाड़ मिलेंगे. इन पहाड़ों में कुछ औरत-मर्द कुछ बीन रहे होते हैं. आपको राजधानी दिल्ली और मुंबई में भी कूड़े के पहाड़ मिलेंगे. इधर केंद्र सरकार की कूड़ा मुक्त शहर बनाने की कवायद के बाद एक उम्मीद अवश्य नजर आ रही है. लग रहा है देश कूड़े के ढेरों से निजात पा लेगा.

केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय का दावा है कि अंबिकापुर, राजकोट, सूरत, नवी मुंबई तथा इंदौर पूरी तरह से कूड़ा मुक्त हो चुके हैं. उसने नई दिल्ली समेत अहमदाबाद, जमशेदपुर, तिरुपति, करनाल, भिलाई, विजयवाड़ा को भी साफ-सुथरा बताया है.

एक अनुमान के मुताबिक, शहरी भारत में रोजाना 1,40,000 मीट्रिक टन कचरा पैदा हो रहा है. विश्व बैंक के एक अध्ययन के मुताबिक, वर्तमान समय में प्रति व्यक्ति के हिसाब से देखा जाए तो पैदा होता है, जिसके अगले 15-20 800 ग्राम प्रति व्यक्ति होने का अ

स्वच्छता गतिविधियों और लिए नागरिकों की जिम्मेदारी ब को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 17 सि 'स्वच्छ अमृत महोत्सव' का आ चुका है, जिसका उद्देश्य है कच विभिन्न शहरों में स्वच्छता को ले जनभागीदारी सुनिश्चित करने के तहत अलग-अलग कार्यक्रमों का है. गांधी जयंती के अवसर पर 2 अ का समापन होगा.

THE ECONOMIC TIMES | Opinion
English Edition ▾ | Today's Paper
ETPrime

What 4,000 Indian cities & town should do to fulfil Swachh Bharat mission

Synopsis
The 3 Rs - reduce, reuse and recycle - will have to become both an individual as well as community habit for sanitation plans in urban space to succeed. In a larger frame, this could constitute the core of Lifestyle for Environment (LiFE), the India-led global movement to nudge action. Enormous, yes.

Akshay Rout
The writer is former director general, Election Commission of India

Effective phasing out of single-use plastic will need much more action from urban local bodies than dependence on the ban. Cities have another giant task of accounting for small and big flows of waste water.

Swachh Survekshan, the world's largest survey of cities and towns for cleanliness, has expanded from 73 cities in 2016 to 4,355 this year. Some 9 crore citizens gave their feedback, a sharp rise from 5 crore last year, demonstrating

INDIA IS ALL SET TO SEE GARBAGE-FREE CITIES

Thanks to the Swachh Bharat Mission, there is a greater degree of cleanliness in the country

Vivek Shukla

THE mountains of garbage at Ghazipur and Burarai in national capital Delhi and also in some place in the financial capital of the country, Mumbai are both scary and give very poor impression about the country that has the fifth largest economy in the world. India must get rid of such mountain that stinks. Prime Minister Narendra Modi had launched the second phase of the Swachh Bharat Mission-Urban (SBM-U 2.0) Mis-

are Mysuru, Ambikapur, Rajkot, Surat, Navi Mumbai, and Indore. New Delhi got a 3-star garbage-free rating, alongside Ahmedabad, Bhopal, Jamshedpur, Tirupati, Karnal, Bhilai Nagar, and Vijayawada. The cities got the rating after some 25 parameters were taken into consideration.

Cities that were rated 1-star in the survey are Delhi Cantonment; Haryana's Rohtak; Madhya Pradesh's Gwalior, Maheshwar, Khandwa, Badnawar, and Hatbod; and Gujarat's Vadodara, Bhavnagar, and Vyara.

What is a garbage-free city?

As per Ministry of Housing and Urban Affairs, cities achieve 'Garbage Free' status when- at any point of time in the day no garbage or litter is found in any public, commercial or residential locations (including storm drains and water bodies) in the city (except in litter bins or transfer stations); 100 per cent of waste generated is scientifically managed; all legacy waste has been re-

transport, treat and scientifically dispose of solid wastes.

Madhu Rathi, CEO and Co-founder at Recycle Bell Private limited (Econiture), says, "The definition of waste has changed over time. Waste is no longer considered as trash or abandoned material, but as an asset or resource that can generate revenues in crores. It is not only related to reducing

of garbage' in Indian cities will be completely wiped out and not a drop of untreated sewage should go to the rivers. Referring to landfills as 'big mountains of garbage' in cities, Modi spoke about the Ghazipur landfill in Delhi. "There is one such mountain of garbage in Delhi which has been sitting here for years and waiting to be removed," he told Urban Affairs Minister Hardeep

तो शहरों के कूड़े के ढेर बनेंगे अब ग्रीन जोन

आरके सिन्हा

आप जब राजधानी दिल्ली से गाजीपुर के रास्ते उत्तर प्रदेश की सीमा में प्रवेश करते हैं तब कचरे का काला स्याह डरावना पहाड़ दिखाई देता है। इसे जो शख्स पहली बार देखता है उसे तो यकीन ही नहीं होता कि दरअसल ये कचरे का पहाड़ है। आज के दिन आपको

बीते कुछ वर्षों में काफी सकारात्मक बदलाव भी दिख रहा है। सरकार भी स्वच्छ भारत मिशन के तहत बड़े स्तर पर देश को स्वच्छ बनाने के लिए कई ठोस कदम उठा रही है। कूड़े के ढेर समाप्त किये जा रहे हैं। साफ-सफाई को लेकर सरकार जागरूक है, वहीं ज्यादातर नागरिक भी अब यह समझने लगे हैं कि अपने शहरों को कूड़े से निजात दिलानी है। कूड़े को कूड़ेदान में डालने की प्रवृति अब आम जनों में भी जाग उठी है।

शहरों को कूड़े के ढेर से मुक्ति दिलवाने में पहल केन्द्र में मोदी सरकार के सत्तासीन होने के बाद ही शुरू हुई। हमें कचरे के री-साइक्लिंग पर खास फोकस देना होगा। इसी रास्ते से हम कूड़े को

जाएगा। इसमें जर्मन तकनीक का सहयोग लिया जाएगा। कूड़ों का निस्तारण कर उसे दोबारा उपयोग में लाया जाएगा। जबकि दूषित जल के संचयन के बाद उसे रिसाइकल कर

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक आयोजित कर रही है, जिसका उद्देश्य है कचरा मुक्त शहर। 17 सितंबर को युवाओं की रैलियों के

में फैला रहता है। इकट्ठा किए गए कचरे में से भी आधा या तो खुले में फेंक दिया जाता है या जमीन में दबा दिया जाता है और कुल कचरे के सिर्फ पांचवें हिस्से की ही रीसाइक्लिंग हो पाती है। वे शहर जिनमें कचरे को खुले में फेंका जा रहा है, उनमें भारत के दो सबसे बड़े महानगर दिल्ली और मुंबई भी शामिल हैं। दिल्ली का गाजीपुर तथा बुराड़ी और मुंबई का मुलुंड डंपिंग ग्राउंड ऐसे इलाके हैं, जहां ऊंचे-ऊंचे कचरे के पहाड़ बन चुके हैं और इनके आसपास भारी संख्या में लोग भी रहते हैं। जरा सोचिए कि इनके आसपास रहना कितना कठिन और अस्वास्थ्यकर होता होगा।

भारत से निकलने वाला कचरा

एनवायरमेंटल साइंसेस के एक अध्ययन के मुताबिक खुले में फेंके गए कचरे में भारी मात्रा में निकल, जिंक, आर्सेनिक, कांच, क्रोमियम और अन्य जहरीली धातुएं होती हैं, जो पर्यावरण और लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरों की वजह बनती हैं।

भारत साल भर में जितनी जहरीली मीथेन का उत्सर्जन करता है, उसमें से 20 प्रतिशत सिर्फ इन कचरे के ढेरों से होता है। हमारे अपने देश में इंदौर ने बाकी शहरों के लिए एक उदाहरण पेश किया है। इंदौर ने कूड़े के पहाड़ों से मुक्ति पा ली है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र नरेंद्र मोदी ने भी एक बार कहा था कि शहरों को कूड़े के पहाड़ों से मुक्त करने का इंदौर मॉडल अन्य शहरों के लिए प्रेरणा

सोशल मीडिया ट्रेंड्स

twitter

Swachh Bharat Urban @SwachhBharatGov

Aiming to contribute in combating pollution & garbage woes, @Dpiff_official organised the #BeachCleanUpDrive. @Kailashkher & over 1000 students volunteered for the drive. The organisation has been working towards environmental sustainabilit for a long now.

Ministry of Housing and Urban Affairs and 9 others

9:38 PM · Dec 12, 2022

Swachh Bharat Urban @SwachhBharatGov · Dec 17

The heroes of the country's #SwachhataMission, #Safaimitras, carriec a mass cleanliness cum awareness drive in Karnataka's Hubli. From st to warehouses and parks, intensive #CleaningActivities ensured the ci brilliant stint in promoting #Swacchata across the region.

Ministry of Housing and Urban Affairs and 8 others

Swachh Bharat Urban @SwachhBharatGov · Dec 26,

The clean roads of Tiruchirappalli Municipal Corporation s intensive #CleanlinessActivities underway across the ULE #SafaiMitras, the ULB assured the elimination of mud an region.

Ministry of Housing and Urban Affairs and 9 others

facebook

Swachh Bharat Mission - Urban
Nov 28

Madhya Pradesh's fast bowler Kuldeep Sen met the hardworking #SafaiMitras of Rewa MC. The speedster hailed the relentless efforts ... See more

Shravan Kamal and 44 others 1 comment • 2 share

Swachh Bharat Mission - Urban
19h

Under the Toilets 2.0 campaign, the Karimnagar Municipal Corporation of Telangana prioritized citizens' feedback in promoting cleanli... See more

Swachh Bharat Mission - Urban
Dec 9

A startup from Tamil Nadu's Coimbatore has developed a unique and highly efficient machine for #RecyclingPlasticBottles. The disti... See more

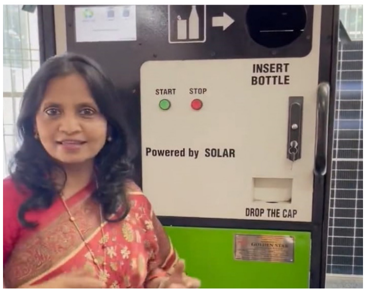

Instagram

sbmurbangov
sbmurbangov • Original audio

4 likes

sbmurbangov The musical maestro @kailashkher couldn't resist himself and hailed the unparallel efforts of our #SafaiMitras. SBM has achieved tremendous success and witnessed massive transformation across the States and cities, for which #SafaiMitras have played an indispensable role.

sbmurbangov
sbmurbangov • Original audio

sbmurbangov माननीय प्रधानमंत्री श्री @narendramodi जी ने #MannKiBaat के दौरान हैदराबाद के बोयिनपल्ली के स्थानीय सब्जी मंडी की सराहना की। यह सब्जी मंडी खराब हो चुके सब्जियों से बिजली बना रही है, जिससे #wastetowealth और सर्कुलर इकोनॉमी को बढ़ावा मिल रहा है।

sbmurbangov

7 likes

sbmurbangov A #SwachhSurveksan vehicle was flagged off by IMC Mayor as part of a launching event of the week-long IEC campaign on #CleanAndGreen Itanagar at Nirjuli. An awareness program was also held where the

2022 की झलकियां

SWACHH SURVEKSHAN 2022

'स्वच्छ सर्वेक्षण 2022' के तहत कस्बों/शहरों, राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा स्वच्छता पर किए कार्यों को बढ़ावा देने के लिए 1 अक्टूबर 2022 को राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने पुरस्कार देकर विजेताओं को सम्मानित किया।

"स्वच्छ-सर्वेक्षण के द्वारा राज्यों और शहरों के बीच स्वच्छता के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिल रहा है। इस वर्ष के सर्वेक्षण में चार हजार से अधिक शहरों में लगभग नौ करोड़ देशवासियों ने भाग लिया है।"

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु
माननीय राष्ट्रपति

2022 की झलकियां

SWACHH SURVEKSHAN 2022

छोटे और मध्यम शहरों पर एक नजर

2022 की झलकियां

आजादी का अमृत महोत्सव (17 से 31 जनवरी 2022)

'हर धड़कन है स्वच्छ भारत की' गाने को 'स्वच्छता एंथम' बनाने के उद्देश्य से सभी राज्यों के स्थानीय निकायों ने 17, 26 और 31 जनवरी 2022 को शहर के कई सार्वजनिक स्थानों पर डिजिटल स्क्रीन पर 'स्वच्छता एंथम' प्रदर्शित किया।

INDIA vs GARBAGE
Join the fight for garbage free cities

2022 की झलकियां

आजादी का अमृत महोत्सव (17 से 31 जनवरी 2022)

'आजादी का अमृत महोत्सव' के जश्न को आगे बढ़ाते हुए, राज्यों के स्थानीय निकायों द्वारा शहरों के कई चौराहों पर महोत्सव की ब्रांडिंग के तहत उन्हें सुशोभित किया गया।

2022 की झलकियां

मानीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने इंदौर के देवगुराड़िया ट्रेंचिंग ग्राउंड में 19 फरवरी 2022 को 'गोबर धन' बायो-सीएनजी प्लांट का उद्घाटन किया।

'स्मार्ट सिटी, स्मार्ट अर्बनाइजेशन' विषय पर कॉन्फ्रेंस के लिए 18-20 अप्रैल 2022 के बीच सूरत में सौ स्मार्ट सिटी एकसाथ आगे आईं।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने राजकोट में 20 अक्टूबर 2022 को MoHUA द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 'इंडियन अर्बन हाउसिंग कॉन्क्लेव-2022' का उद्घाटन किया और टेक एग्जिबिशन में एसबीएम-यू 2.0 के 'India vs Garbage' थीम पर आधारित स्टॉल का निरीक्षण किया।

2022 की झलकियां

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने 25 मार्च 2022 को पहला 'स्वच्छ टॉक्स' आयोजित किया। राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों और यूएलबी के लिए आयोजित इस पीयर-लर्निंग वेबिनार श्रृंखला की थीम "100 लाइटहाउस शहरों में सफाईमित्रों की सुरक्षा" पर आधारित रही। वेबिनार का उद्देश्य इन 100 शहरों की प्रगति को पूरी तरह 'मैनहोल से मशीन होल' में परिवर्तन की दिशा में गति देना था।

INDIA VS GARBAGE
Join the fight for garbage free cities

2022 की झलकियां

एसबीएम-यू 2.0 के तहत 'लक्ष्य जीरो डंपसाइट' का उद्देश्य 'कचरा मुक्त शहरों' के लिए स्थायी स्वच्छता और वैज्ञानिक अपशिष्ट प्रसंस्करण प्राप्त करना है। फंडिंग और कार्यान्वयन के लिए लेगेसी वेस्ट डंपसाइट रिमेडियेशन एक प्रमुख क्षेत्र है। इसका उद्देश्य कचरा मुक्त शहरों के विजन को प्राप्त करने की दिशा में एक कदम बढ़ाते हुए शहरों को डंपसाइट्स के क्षेत्र की पहचान और उन डंपसाइट्स में पुराने कचरे की मात्रा को कम करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

विज्ञान और पर्यावरण केंद्र द्वारा आयोजित संगोष्ठी में MoHUA की संयुक्त सचिव श्रीमती रूपा मिश्रा ने पुराने डंपसाइट्स को हटाने संबंधी चुनौतीपूर्ण कार्य के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। साल 2026 तक जीरो डंपसाइट कैंपेन का लक्ष्य कचरा मुक्त शहर के विजन पर आधारित है।

स्वच्छ भारत मिशन के तहत, भारत के शहरी क्षेत्रों में 1253 डंपसाइट्स के लिए 13.62 करोड़ मीट्रिक टन कचरे को खत्म करने की योजना अप्रूव हो चुकी है और विभिन्न चरणों में प्रगति के रूप में आगे बढ़ रही है। इसमें से करीब 4.24 करोड़ मीट्रिक टन का पहले ही उपचार किया जा चुका है, जिससे करीब 6000 एकड़ भूमि का पुनर्ग्रहण संभव हुआ है। इस दिशा में चल रहे कार्यों में दिल्ली के तीन सबसे बड़े डंपसाइट्स यानी भलस्वा, ओखला और गाजीपुर में लगभग 1395 करोड़ रुपये की लागत से करीब 2.80 करोड़ मीट्रिक टन कचरे का उपचार भी शामिल है।

2022 की झलकियां

Clean Green CAMPAIGN

'क्लीन ग्रीन कैंपेन' नाम का सोशल मीडिया अभियान राष्ट्रीय स्तर पर विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 5 जून 2022 को स्वच्छता, अपशिष्ट प्रबंधन और सिंगल यूज प्लास्टिक पर बैन की आवश्यकता के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए लॉन्च किया गया।

2022 की झलकियां

Swachh Teerth

जिस तरह से तीर्थ यात्राओं का बहुत महत्व है, ठीक उसी तरह 'तीर्थ सेवा' भी महत्वपूर्ण है। मैं कहना चाहूंगा कि तीर्थ सेवा के बिना तीर्थ भी अधूरा है। हम अपने धार्मिक स्थलों को सफाई अभियानों के माध्यम से प्लास्टिक-मुक्त बना सकते हैं।

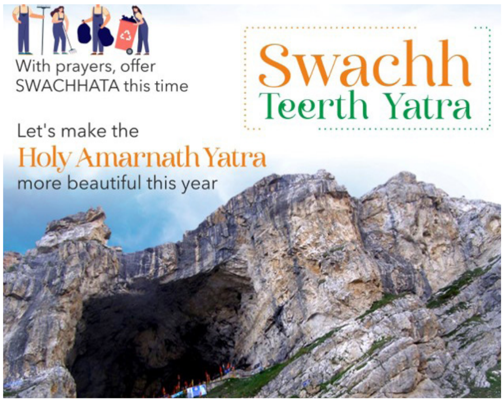

2022 की झलकियां

SAFAIMITRA SURAKSHA

भारत के 500 शहरों ने सफाईमित्रों की सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करने के लिए खुद को 'सफाईमित्र सुरक्षित शहर' घोषित किया। शहरों ने सफाईमित्रों के लिए काम करने की सुरक्षित स्थिति प्रदान करते हुए संस्थागत क्षमता, जनशक्ति और उपकरण मानदंडों के मामले में दक्षता हासिल की है।

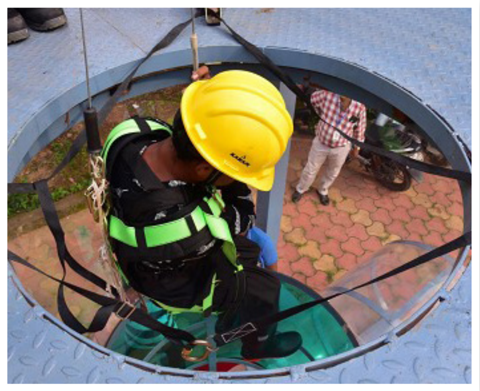

2022 की झलकियां

‘इंडियन स्वच्छता लीग’ युवाओं के नेतृत्व वाली अपनी तरह की पहली इंटर-सिटी प्रतियोगिता हुई, जो कि 17 सितंबर 2022 को आयोजित की गई। इसमें 1800 शहरों से लाखों की संख्या में युवाओं ने तटों, पहाड़ियों और पर्यटन स्थलों को कचरामुक्त करने के लिए एकसाथ भाग लिया।

INDIA VS GARBAGE
Join the fight for garbage free cities

2022 की झलकियां

INDIAN SWACHHATA LEAGUE

शीर्ष 40 शहरों को पुरस्कार विजेताओं के रूप में घोषित किया गया और 30 विशेष उल्लिखित पुरस्कार विजेताओं को आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के राज्य मंत्री श्री कौशल किशोर द्वारा सम्मानित किया गया।

INDIA vs GARBAGE
Join the fight for garbage free cities

2022 की झलकियां

SWACHHATA STARTUP CONCLAVE
CATALYSING STARTUPS FOR GARBAGE FREE CITIES

MoHUA ने एएफडी के सहयोग से अपशिष्ट प्रबंधन के लिए भारतीय स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने वाला ‘स्वच्छता स्टार्टअप चैलेंज’ शुरू किया। शहरों की स्वच्छता के लिए अभिनव समाधान देने वाले 30 स्टार्टअप्स को ‘स्वच्छता स्टार्टअप कॉन्क्लेव’ में 20 सितंबर 2022 को सम्मानित किया गया।

INDIA VS GARBAGE
Join the fight for garbage free cities

2022 की झलकियां

SWACHHATA STARTUP CONCLAVE
CATALYSING STARTUPS FOR GARBAGE FREE CITIES

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के माननीय राज्यमंत्री श्री कौशल किशोर ने कचरामुक्त शहरों के लिए स्टार्टअप गेटवे का शुभारंभ किया, जो समाधानों के पंजीकरण के लिए स्टार्टअप्स को एक स्थायी मंच प्रदान करेगा।

मंच पर उपस्थित गणमान्य

श्री कौशल किशोर
माननीय राज्यमंत्री, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

श्री एचई एमैनुएल लेनैन
फ्रांस के राजदूत

श्री मनोज जोशी
सचिव, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

श्रीमती रूपा मिश्रा
संयुक्त सचिव, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

INDIA VS GARBAGE
Join the fight for garbage free cities

2022 की झलकियां

SWACHHATA STARTUP CONCLAVE
CATALYSING STARTUPS FOR GARBAGE FREE CITIES

स्टार्टअप नॉलेज एक्सचेंज

तिरुपति, चंडीगढ़, नवी मुंबई और लेह के नगर आयुक्तों और कार्यकारी अधिकारियों ने दिए रिवर्स पिच।

फायरसाइड चैट 'संकल्प' में कचरा प्रबंधन के क्षेत्र में सफल और आने वाले स्टार्टअप्स को दिखाया गया ।

'मंथन' में स्टार्टअप्स को सपोर्ट करने के लिए मौजूदा नियामकों एवं नीतिगत ढांचे समेत योजनाओं का अवलोकन किया गया।

साझेदारी : शहरी-स्टार्टअप पार्टनर्स ने अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों से निपटने में अत्याधुनिक और आईसीटी सक्षम समाधानों पर चर्चा की।

2022 की झलकियां

SWACHHATA STARTUP CONCLAVE
CATALYSING STARTUPS FOR GARBAGE FREE CITIES

स्वच्छता स्टार्टअप चैलेंज के विजेता

ECOWRAP · ALOE E-CELL · WeVOIS · Golden Feathers · MINI MINES · TRASH BACK · CITYGEN · uneako Sharing Sustainable Happiness · ecokaari

Celligo Natural Fibres Engineered for Sustainability · ANGIRUS Building for Sustainable Future · JIVOULE · padcare · DE'DZINES · STRAWCTURE ECO · ReCircle Recover. Recycle. Rethink · GreenJams

BINTIX · arcRobotics · GENROBOTICS · SALTECH DESIGN LABS · arises Key to nature protection · जलसेवक

muddleart textile waste management · spruce up · thekabadiwala · JALODBUST™

INDIA VS GARBAGE
Join the fight for garbage free cities

2022 की झलकियां

SWACHH TOYCATHON
A SWACHH BHARAT MISSION URBAN INITIATIVE

"टीम अप फॉर टॉयज... आइए मिलकर खिलौने बनाएं। अब सभी के लिए लोकल खिलौनों के लिए वोकल होने का समय है। आइए, हम अपने युवाओं के लिए कुछ नए प्रकार के, अच्छी क्वालिटी वाले खिलौने बनाते हैं। खिलौना वो हो जिसकी मौजूदगी में बचपन खिले भी, खिलखिलाए भी। हम ऐसे खिलौने बनाएं, जो पर्यावरण के भी अनुकूल हों।"

कचरे को खिलौनों में तब्दील करने के लिए 26 सितंबर 2022 को नए विचारों और सुझावों को साझा करने के लिए एक सार्वजनिक प्रतियोगिता 'स्वच्छ टॉयकैथॉन' आयोजित की गई।

INDIA VS GARBAGE
Join the fight for garbage free cities

2022 की झलकियां

SWACHH TOYCATHON
A SWACHH BHARAT MISSION URBAN INITIATIVE

टॉयकैथॉन की थीम

फन एंड लर्न

घर/ऑफिस और आसपास मिलने वाले कचरे से बने खिलौनों के डिजाइन और शुरूआती प्रोटोटाइप।

यूज एंड एंजॉय

कचरे/री-साइकिल की गई सामग्री का उपयोग करते हुए पार्क/खुली जगह को गेम और प्ले-जोन के लिए डिजाइन और मॉडल्स।

न्यू फ्रॉम ओल्ड

स्थायी-जलवायु के प्रति संवेदनशील खिलौना श्रृंखला जैसे सामग्री, पैकेजिंग डिजाइन और दोबारा उपयोग किए मॉडल्स के विचार/समाधान/कार्यशील मॉडल्स।

INDIA VS GARBAGE
Join the fight for garbage free cities

2022 की झलकियां

SWACHH SHEHAR SAMVAD & TECH EXHIBITION
Swachh Bharat Mission - Urban
Lakshya - Garbage Free Cities

MoHUA ने 29-30 सितंबर 2022 को 'स्वच्छ शहर संवाद और टेक एग्जीबिशन' का आयोजन क्षमता निर्माण की पहल के रूप में किया, जिसका उद्देश्य राज्यों व शहरों में अपशिष्ट प्रबंधन की दिशा में हुए विकास को आपस में साझा करना रहा।

2022 की झलकियां

SWACHH SHEHAR SAMVAD & TECH EXHIBITION

Swachh Bharat Mission - Urban

Lakshya - Garbage Free Cities

INDIA VS GARBAGE

Join the fight for garbage free cities

2022 की झलकियां

द अर्बन लर्निंग इंटर्नशिप प्रोग्राम (TULIP)

MoHUA और MHRD ने हाल ही में ग्रेजुएट हुए युवाओं को सिखाने के साथ ULBs और स्मार्ट शहरों में मौजूदा अवसरों को एक साथ लाने के लिए सितंबर 2022 में 'द अर्बन लर्निंग इंटर्नशिप प्रोग्राम (TULIP)' लॉन्च किया। ट्यूलिप, छात्रों में कार्यात्मक कौशल विकसित करने, शहरों के बेहतर भविष्य के लिए उनकी ऊर्जा और विचारों के उपयोग के लिए तालमेल बैठाने का काम करता है।

स्वच्छ तीर्थ पहल में स्वच्छ ट्यूलिप के लिए एक पायलेट परियोजना लागू की गई थी। इसके तहत जम्मू-कश्मीर में 200+ इंटर्न्स का पहला बैच तैनात किया गया।

सेंटर फॉर एक्सिलेंस, आईआईएम इंदौर

स्वच्छ अमृत महोत्सव के दौरान अक्टूबर 2022 में केंद्रीय मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी ने आईआईएम इंदौर में सेंटर फॉर एक्सिलेंस का उद्घाटन किया। यह शहरी भारत में स्वच्छता प्रबंधन और अपशिष्ट पहलों के रखरखाव के लिए शीर्ष नेतृत्व और प्रशिक्षण प्रदान करेगा।

2022 की झलकियां

SWACHHATA KE DO RANG
#HaraGeelaSookhaNeela

देशभर के लगभग 45000 स्कूलों के 75 लाख से अधिक छात्रों ने 'कचरा मुक्त शहर' के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग करने के लिए बड़े पैमाने पर भाग लेकर लोगों में जागरूकता फैलाई।

LAKSHYA
ZER
SWACHHATA
STARTUP
CONCLAVE
CATALYSING STARTUPS FOR GARBAGE FREE CITIES
SAFAIMITRA
SURAKSHA
SWACHHATA KE
DO RANG
#HaraGeelaSookhaNeela
National Campaign for Waste Segregation at Source
Swachh Bharat Mission Urban Initiative
INDIAN
SWACHHATA
LEAGUE
Swachh
Teerth
Swachh Talks
Webinar Series
SWACHH
SURVEKSHAN
2022
Clean Green
CAMPAIGN
SWACHH
TOYCATHON
A SWACHH BHARAT MISSION URBAN INITIATIVE

Chandigarh MC to offer subsidy for 'zero waste'

PUNJAB EXPRESS BUREAU
Chandigarh, December 22

The Municipal Corporation plans to offer a subsidy of 20 per cent in booking amount for those holding events/marriages at its community centres, jhanjghar, dharamshalas and open spaces in line with the 'zero waste' policy. Events held without use of any kind of plastic or generating non-biodegradable trash fall in the 'zero waste' category. The subsidy will be transferred to the applicant's bank account once MC officials inspect the venue after the event and find it as per the 'zero waste' norms. The move is aimed at ensuring plastic and garbage-free events in the city. The MC is promoting the initiative in a bid to score in the Swachh Survekshan 2023. As per the surveksham toolkit, zero waste events/weddings/social or religious functions are to be organised. Under the norms, use

पुरस्कार : इंदौर लगातार छठी बार देश का सबसे स्वच्छ शहर घोषित

नई दिल्ली, नोएडा शीर्ष पांच साफ शहरों में शामिल

कचरा कलेक्शन के साथ सोर्स सेग्रीगेशन की दे रहे जानकारी

दैनिक भास्कर रायगढ़ भास्कर 02-11-2022

Meet the Winners!

Swachhata Startup Challenge winners receive Rs 25 lakhs grant from MoHUA and AFD

स्वच्छता अभियान चला किया जागरूक

- मध्य जिलाधिकारी के आदेश पर दरियागंज में एमसीडी और जिला प्रशासन ने चलाया स्वच्छता अभियान
- दरियागंज की गलियों में जाकर लोगों को एसयूपी के बारे में किया जागरूक और कूड़ा उठाकर एमसीडी को भेजा

घर की बेकार वस्तुओं से बनाएं खिलौने, नए करेगा पुरस्कृत: टॉयकैथॉन 2022 के तहत देशभर में बेकार वस्तुओं से खिलौने बनाने के अभियान की हुई शुरुआत

शत-प्रतिशत जीरो वेस्ट के साथ निकाली नगर की

पंज प्यारों की अगुवाई में शहर में निकाला नगर की

Union Housing and Urban Affairs Minister Hardeep Puri launches 'Swachh Survekshan 2022'

DNA

Centre pushes Uttarakhand, J-K for Swachh Teerth, issues cleanliness advisory for Kedarnath, Amarnath

With the Swachh Teerth plan, the government aims to improve sanitation and waste management as per the Swachh Bharat Mission.

IBG news

Swachh Bharat Mission-Urban 2.0 organizes the Swachh Talks episode on 'Managing Plastic Waste'.

स्वच्छ भारत मिशन पर ज्यादा जानकारी के लिए

हमें फॉलो करें :

Swachh Bharat Mission – Urban | @SwachhBharatGov | sbm_urban | Swachh Bharat Urban | swachh-bharat-urban